B. Com. Ist Part के Student के लिए

वैज्ञानिक प्रबन्ध - अर्थ एवं परिभाषाएं :→
(Scientific Management - Meaning and Defination)

वैज्ञानिक प्रबन्धक का अर्थ प्रबन्ध के क्षेत्र मे पुरानी एवं रुढ़िवादी तरीको के स्थान पर आधुनिक एवं तर्कयुक्त तरीको का प्रयोग करना है। वैज्ञानिक प्रबन्ध दो शब्दो से मिलकर बना है- वैज्ञानिक + प्रबन्ध। वैज्ञानिक शब्द का अर्थ विशिष्ट ज्ञान या ज्ञान की अभिवृद्धि जब कि प्रबन्ध शब्द का अर्थ अन्य व्यक्तियो के साथ मिलकर सुव्यवस्थित ढंग से कार्य करने एवं करवाने से सम्बन्धित है।

इस प्रकार हम कह सकते है कि वैज्ञानिक प्रबन्ध का अर्थ रुढ़िवादी तरीको के स्थान पर आधुनिक तरीको का प्रयोग करना है। इस सम्बन्ध मे वैज्ञानिक अन्वेषण की पद्धति का प्रयोग किया जाता है अर्थात प्रबन्ध सम्बन्धी समस्याओ के विभिन्न पहलुओ का अध्ययन किया जाता है एव विश्लेषण द्वारा समस्याओं का समाधान खोजा जाता है और प्रबन्ध के सिद्धान्तो का प्रतिपादन किया जाता है। इन सिद्धांतो के प्रतिपादन मे चूँकि वैज्ञानिक पद्धी उपयोग मे लायी जाती है अतः इसे "वैज्ञानिक प्रबन्ध" के नाम से जाना जाता है। वर्तमान समय मे औद्योगिक प्रणाली दिन-प्रतिदिन बढती जा रही है इसलिए इसे समय मे वैज्ञानिक प्रबन्ध आवश्यक है। थामसन के अनुसार :-

"वैज्ञानिक प्रबन्ध ने घाटे पर चलने वाले कारखानो को लाभ दिलाया, जो लाभ पर चल रहे थे उनका लाभ बढ़ाया तथा इस बात का पक्का प्रमाण है कि वैज्ञानिक प्रबन्ध समाज पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा है।"

वैज्ञानिक प्रबन्ध की परिभाषा कुछ प्रमुख विद्वानो द्वारा इस प्रकार है:-

Ajanta Milky

F.W. Taylor के अनुसार - "वैज्ञानिक प्रबन्ध आप के यह जानने की कला है कि आप लोगों से यथार्थ में क्या कराना चाहते है तथा यह देखना चाहते है कि वे उसको सुन्दर तथा सस्ते से सस्ते ढंग से करें"।

"Scientific Management is the art of knowing what you want men to do and then seeing that they do it in the best and cheapest ways."

जौन्स के अनुसार - "वैज्ञानिक प्रबन्ध प्रशासन-सम्बन्धी नियमों का समूह है, ताकि संगठन में नवीन अनुशासन का समन्वय, नियंत्रण तथा उत्पादन पद्धति से कराया जा सके"

A body of rules together with their appropriate expression in physical and administrative mechanisms and specialised executives to be operated in co-ordination as a system of for the achievement of a new strictness in the control and processes of production

निष्कर्ष के रूप में सरल एवं उपयुक्त परिभाषा हम इस प्रकार भी दे सकते है -

"वैज्ञानिक प्रबन्ध सामूहिक प्रयासों की पद्धति एवं संगठित प्रणाली है जो वैज्ञानिक अन्वेषण, विश्लेषण एवं प्रयोगों पर आधारित है तथा जिससे सभी पक्षकारों को लाभ होता है।"

वैज्ञानिक प्रबन्ध के लक्षण या विशेषताएं :→

characteristics or Fundamentals of Scientific Management.

① निश्चित लक्ष्य एवं योजना (Definite object and Plan)

वैज्ञानिक प्रबन्ध में लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक रूपरेखा तैयार की जाती है। लक्ष्यों की प्रति के लिए हम निश्चित कर लेते है कि आवश्यक साधन किस प्रकार जुटाये और उन्हे किस प्रकार उपयोग करें। न्यूनतम लागत पर अधिकतम उत्पादन करने के लिए कौन कौन सी विधियाँ अपनायी जा सकती है। इन सबको एक निश्चित योजना का रूप दे दिया जाता है।

② वैज्ञानिक विश्लेषण तथा प्रयोग - (Scientific Analysis and Experiment)

वैज्ञानिक प्रबन्ध में तथ्यों पर आधारित एक योजना होती है। इसलिए तथ्यों का विश्लेषण करना तथा

Scanned with CamScanner

⑧ कार्य क्षमता में वृद्धि (Increase in efficiency)

वैज्ञानिक प्रबन्ध का मुख्य लक्षण कार्यक्षमता में वृद्धि करना है। लागत कम करने, समय बचाने एवं अच्छे कार्य सम्पन्न करने वाली प्रणाली को लगातार प्रयोग से कार्य क्षमता में वृद्धि होना स्वाभाविक है।

⑨ टीम भावना (Team spirit)

सामूहिक हित के लिए सामूहिक प्रयास वैज्ञानिक प्रबन्ध का लक्षण है। वैज्ञानिक प्रबन्ध के अन्तर्गत प्रबन्ध का कार्य सभी कर्मचारियों में टीम भावना उत्पन्न करना है एवं उन्हें लक्ष्य प्राप्ति के लिए सामूहिक रूप से प्रेरित करना है।

⑩ उत्तरदायित्व का निर्धारण (Responsibility of Determination)

वैज्ञानिक प्रबन्ध में अपना उत्तरदायित्व किसी अन्य व्यक्ति पर नहीं टाल सकता है और अधिक उत्तरदायित्व भी नहीं थोपा जा सकता है। क्योंकि वैज्ञानिक प्रबन्ध में कार्य निश्चित होते हैं तथा निष्पादन का समय, लागत, किस्म, अपव्यय इत्यादि ये सभी पूर्व से ही आयोजित होते हैं।

⑪ प्रभावकारी नियंत्रण (Effective Control)

योजनाबद्ध ढंग से तथा पूर्व निश्चित नियमों के अनुसार कार्य करने से नियंत्रण प्रभावी हो जाता है। कुशल नियंत्रण वैज्ञानिक प्रबन्ध का एक प्रमुख लक्षण है। फेयोल के अनुसार नियंत्रण से आशय यह देखना है कि हर चीज नियम तथा दिये गए आदेश के अनुरूप ही होती है।

⑫ आत्मीयता का भाव (Sense of Belongingness)

वैज्ञानिक प्रबन्ध में श्रमिकों और नियोक्ताओं में आमूल परिवर्तन लाने का प्रयास किया जाता है जिससे वे अपने को एक दूसरे का विरोधी न समझकर सहयोगी समझें। अर्थात वे अपने को एक ही पथ के दो सहयात्री समझें।

प्रो० अजीत कुमार सिंह
वाणिज्य विभाग
सर्वनाथ सिंह राज कु० सिंह
महाविद्यालय, सहरसा।

Scanned with CamScanner

विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्षों का प्रयोग करके उनके गुण-दोषों को जाँचना वैज्ञानिक प्रणाली है। वैज्ञानिक प्रबन्ध में योजना का प्रायोगिक महत्व, उपयोगिता एवं उपयुक्तता जाँचने के बाद ही योजना लागू होती है।

③ नियमावली (A set of Rules)

प्रयोग एवं विश्लेषण के आधार पर प्राप्त निष्कर्षों को क्रियान्वित करने के लिए नियम बनाये जाते हैं। नियमों का पालन करना प्रत्येक कर्मचारी के लिए आवश्यक है ताकि प्रबन्धकीय कार्य ठीक अनुशासित बना रहे।

④ वैज्ञानिक कार्य विधि (Scientific Procedure)

योजनाओं को लागू करने के लिए वैज्ञानिक कार्यविधि अपनायी जाती है। श्रमिकों के करा दिये जाने वाले प्रत्येक प्राचीन एवं परम्परागत कार्यों को छोड़ कर वैज्ञानिक कार्यविधि विकसित की जाती है। इसमिए वैज्ञानिक प्रबन्ध परम्परा (Tradition), अन्तर्ज्ञान (instuition) अन्धविश्वास पर आधारित न होकर विज्ञान पर आधारित होता है।

⑤ मितव्ययिता (Economy)

मितव्ययिता वैज्ञानिक प्रबन्ध का आधार है। इसमें अपव्यय को दूर करने तथा उत्पादन के आवश्यक तत्वों को एकत्र करने के लिए विशेष प्रयास किये जाते हैं जिससे न्यूनतम लागत पर अधिकतम उत्पादन हो सके।

⑥ शोध में निरन्तरता (continuity in Research)

वैज्ञानिक प्रबन्ध में निरन्तर शोध होते रहना आवश्यक है। इसलिए कहा जाता है कि अनुसन्धान और शोध की निरन्तरता के बिना वैज्ञानिक प्रबन्ध सफल नहीं हो सकता।

⑦ गतिशील प्रकृति (Dynamic Nature)

वैज्ञानिक प्रबन्ध एक प्रगतिशील और परिवर्तनशील विचार है जिसके विकास एवं परिवर्तन (Growth and Change) के सिद्धान्त को सर्वोपरि माना जाता है। निरन्तर सुधार एवं परिवर्तन के लिए जो प्रबन्ध तैयार नहीं है, वह आज के वैज्ञानिक युग में जीवित नहीं रह सकता है।

Scanned with CamScanner